(Pages : 4) **G – 5125**

Reg. No. : ....

Name : ....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, September 2019

Sanskrit for Malayalam language and Literature

ML 242 – Paper II — FABLES, DEFINITIONS OF POETIC TYPES IN SANSKRIT COMPOSITION AND TRANSLATION

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

पञ्चतन्त्रम् अपरीक्षितकारकम्

gcwcentrallibrary.in

Answers may be written in Sanskrit using Devanagari Script or in English or in Malayalam.

All questions are to be answered.

I. Answer any Six in a sentence or two.

1. चक्रं भ्रमति मस्तके। कस्य?

2. महतमर्थं सार्धायकं क्षमाः के?

3. विद्यायाः उत्तमा का?

4. लघुचेतसां गणना का?

5. सर्वनाशे समुत्पन्ने पण्डितः किं करोति?

6. लोके नास्त्यगम्यं हि किञ्चन। कस्याः?

7. अभिप्रायाः न सिद्धयन्ति। केषाम्?

8. अस्तमयवेलायां जलाशये समायाताः के?

(6 × 1 = 6 Marks)

P.T.O.

II. Annotate any four of the following :

1. सुवर्णादन्यन्न किञ्चिदुत्तमम्।

2. धर्मस्य त्वरिता गतिः।

3. दीर्घसूत्री विनहयति।

4. एक बुद्धिरहं भद्रे क्रीडामि विपुले जले।

5. न तत्स्वर्गेऽपि सौख्य स्यात्।

6. सर्वे ते हास्यतां यान्ति। **(4 × 3 = 12 Marks)**

III. Write any three in a paragraph.

1. दरिद्रस्य निन्दितत्वम्। Explain.

2. मण्डूककृतमत्स्योपदेशः। Explain.

3. चक्रवृत्तान्तः कः? Explain.

4. बुद्धेः महत्वम्। Explain.

5. काव्यप्रभेदः। Explain. **(3 × 4 = 12 Marks)**

IV. 1. रासभ- अश्रृगालकथां संगृह्य लिखत।

Rasabha-srugala katha – Explain.

अथवा

2. दशरूपकाणि उदाहरणसहित विशदत।

Briefly describe Ten Rupakas with examples. **(10 Marks)**

gcwcentrallibrary.in

V. Write a paragraph on any four

1. प्रकरणम्।

2. गद्यम्।

3. मुक्तकम्।

4. आख्यायिक

5. व्यायोग

6. भाणः

(4 × 2½ = 10 Marks)

VI. (a) Use in a sentence any five

1. आसीत्

2. नाम।

3. कदायित्।

4. स्वस्ति

5. साकम्

6. कचित्

7. यदि – तर्हि

8. अधुना

(5 × 1 = 5 Marks)

(b) Write a short paragraph in Sanskrit

1. पुरुषकारस्य महत्वम्।

अथवा

2. वसुधैव कुटुम्बकम्।

(1 × 5 = 5 Marks)

gcwcentrallibrary.in

(c) Translate any two into main language

1. अपरिस्य न कर्तव्यं कर्तव्यं सुपरीक्षितम्।

   पश्चात् भवति शन्तापो ब्राह्मण्या नकले यव्या।

2. अपि आस्त्रेक कुशला लोकाचारविवर्जिताः।

   सर्वे ते हास्यतां यान्ति यथा ते मूर्खपण्डिताः।।

3. सुबुद्धयो विनश्यन्ति दुष्टदैवेन नाशिताः।

   स्वल्पधीरपि तस्मिंस्त कुले नन्दति सन्ततम्।। **(2 × 7½ = 15 Marks)**

---

gcwcentrallibrary.in